मुख्यमंत्री ने कुकरू हिल स्टेशन पर देखा मनमोहक सूर्यास्त

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को बैतूल जिले के प्रसिद्ध हिल स्टेशन कुकरू का भ्रमण किया।

इस दौरान उन्होंने सिपना सनसेट पॉइंट से सूर्यास्त का मनमोहक दृश्य देखा और क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कुकरू की पर्वत श्रृंखलाओं, हरित वनों और शांत वातावरण को पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में विकसित होने की अपार संभावनाएं रखता है।

उन्होंने अधिकारियों को पर्यटन सुविधाओं के विकास के साथ प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डॉ. यादव ने कहा कि कुकरू का विकास होने से प्रदेश में पर्यटन को नई पहचान मिलेगी। साथ ही स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आजीविका के नए अवसर भी सृजित होंगे, जिससे क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

अंग्रेजी हमारी हिंदी की बराबरी कभी नहीं कर सकती

हिंदी भवन में 'हिंदी मेरी नहीं हमारी भाषा 'विषय पर विमर्श का आयोजन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः हिंदी बहुत ही व्यापक और समृद्ध भाषा है। इसका शब्द भंडार बहुत ही विशाल और विराट अक्षर संख्या है। इसके उलट अंग्रेजी में मात्र 26 अक्षर है और शब्द संख्या कुछ हजारों में ही है।

ऐसे में सोचिए कि अंग्रेजी कब तक हमारी हिंदी की बराबरी कर पाएगी -यह कहना है मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के कार्याध्यक्ष रघुनंदन शर्मा का। वे आज हिंदी भवन में 'हिंदी मेरी नहीं हमारी भाषा' विषय पर आयोजित विमर्श में बोल रहे थे। विमर्श का आयोजन मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के महिला शक्ति प्रकोष्ठ की ओर से किया गया था। कार्यक्रम का आरंभ महारानी लक्ष्मीबाई स्वशासी महिला महाविद्यालय की शोभा मांडवी मिश्रा ने सरस्वती वंदना से किया कार्यक्रम में समिति के मंत्री संचालक डॉ विकास दवे के साथ ही सप्रे संग्रहालय की शोध निदेशक डॉ. मंगला अनुजा एवं लंदन में हिंदी के लिए कार्य कर रहे भोपाल के ही रितेश निगम भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

अपने उद्बोधन में डा. विकास दवे ने साहित्यकारों को सलाह दी की वे अपनी रचनाओं में दीगर भारतीय भाषाओं के शब्द भी शामिल करें, अंत में उन शब्दों का अर्थ भी स्पष्ट करें इससे हमारी हिन्दी का दायरा तो बढ़ेगा ही अन्य भाषाओं के साथ भी आपसदारी भी बढ़ेगी। डॉ. मंगला अनुजा ने बताया कि मैं जब डी. लिट की उपाधि के लिए आवेदन कर रही थी तो मुझसे वो आवेदन अंग्रेजी में लिया गया। ये हम हिंदी प्रेमियों के लिए दु:ख और चिंता का विषय होना चाहिए।कार्यक्रम में उपस्थित ऋतेश निगम ने विदेशों में हिंदी के लिए कार्य करने के दौरान प्राप्त अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम में दस कविताओं का पाठ किया गया तथा कुछ बहनों ने अपने संस्मरण सुनाए एवं अन्य वक्तव्य भी हुए ।कार्यक्रम का संचालन अक्षरा की संपादक जया केतकी ने किया तथा आभार प्रदर्शन महिला शक्ति प्रकोष्ठ की संयोजक अनीता सक्सेना ने किया । कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रकोष्ठ के सदस्य, संस्था के सह मंत्री डॉ संजय सक्सेना, डॉक्टर कुसुम सक्सेना एवं अन्य हिंदी प्रेमी उपस्थिति रहे।

महिला हत्या के तीन दोषियों को आजीवन कारावास

साजिश रचकर की थी वारदात

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भोपाल की एक महिला की सुनियोजित हत्या के मामले में सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश ज्योति राजपूत की अदालत ने तीन आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

अदालत ने आदित्य उर्फ आदी साहू, धीरेन्द्र और सरफराज को हत्या और आपराधिक षड्यंत्र के अपराध में उम्रकैद तथा 10-10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। वहीं आदित्य और सरफराज को आर्म्स एक्ट के तहत दो-दो वर्ष के सश्रम कारावास और एक-एक हजार रुपये के जुर्माने की अतिरिक्त सजा भी सुनाई गई। अभियोजन के अनुसार अप्रैल 2023 में महिला के लापता होने की सूचना दर्ज कराई गई थी। कुछ दिनों बाद बिलखिरिया थाना क्षेत्र के एक खेत में उसका शव बरामद हुआ। पुलिस जांच में कॉल डिटेल रिकॉर्ड और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंची। जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी ने महिला से उधार लिए गए पैसे लौटाने के बहाने उसे मिलने बुलाया था। इसके बाद तीनों आरोपी उसे ऑटो से सुनसान क्षेत्र में ले गए और चाकू मारकर हत्या कर दी। मामले की सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक श्रीमती दीप्ति पटेल ने वैज्ञानिक साक्ष्यों को प्रभावी ढंग से न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। मृतका के नाखूनों में मिले रक्त और आरोपी आदित्य के कपड़ों पर पाए गए रक्त का फॉरेंसिक मिलान कराया गया, जो समान पाया गया। अदालत ने इसे अभियोजन की महत्वपूर्ण कड़ी मानते हुए आरोपियों को दोषी करार दिया। यह प्रकरण शासन द्वारा सनसनीखेज मामलों की श्रेणी में रखा गया था।

रिटायर्ड दंपत्ति की गोली मारकर हत्या, सनसनीखेज डबल मर्डर

रेलवे से रिटायर्ड पति और कस्तूरबा अस्पताल की नर्स पत्नी की लाश घर में मिली, 2 करोड़ की संपत्ति

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी भोपाल के ऐशबाग थाना क्षेत्र अंतर्गत सुदामा नगर में एक चौंकाने वाली डबल मर्डर की घटना सामने आई है। यहां रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी और उनकी नर्स पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

दोनों की लाशें उनके बंद घर में खून से लथपथ अवस्था में मिलीं। मृत दंपती के पास शहर में मकान, बैंक बैलेंस और अन्य संपत्ति मिलाकर करीब 2 करोड़ रुपये की संपत्ति बताई जा रही है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। घटना सुदामा नगर की है। मृतकों की पहचान 64 वर्षीय हेमंत बारीक और उनकी 62 वर्षीय पत्नी शकुंतला बारीक के रूप में हुई है। हेमंत बारीक रेलवे से रिटायर थे, जबकि शकुंतला बारीक भेल के कस्तूरबा अस्पताल में नर्स के पद से सेवानिवृत्त थीं। शुक्रवार रात जब मकान की ऊपरी मंजिल पर रहने वाले किराएदार (छात्र) किराया देने नीचे गए, तो दरवाजा बंद मिला। बार-बार दस्तक देने पर कोई जवाब नहीं मिला। घर से तेज दुर्गंध आने पर शक हुआ। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो बेडरूम,लिविंग एरिया में दोनों की लाशें पड़ी मिलीं। पत्नी का शव सोफे पर और पति का शव फर्श,बेड पर था। दोनों के सिर में गोली लगी थी। महिला को दो गोलियां लगीं (एक सिर में, एक कमर/रीढ़ के पास), जबकि पति के सिर में एक गोली। घटनास्थल से तीन खाली कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दंपती के पास दो मकान समेत करीब 2 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति थी। उनका कोई संतान नहीं थी (बेटा विदेश में होने की शुरुआती खबर बाद में गलत साबित हुई)। दंपती अकेले रहते थे और ज्यादा मेलजोल नहीं रखते थे।

पुलिस लूटपाट, पुरानी रंजिश, संपत्ति विवाद और पारिवारिक मुद्दों के एंगल पर जांच कर रही है। घर का सामान बिखरा हुआ मिला, लेकिन लूट की पुष्टि नहीं हुई है। शुरुआती जांच में लूट की आशंका कम लग रही है।

अनसुलझे सवाल

- हत्या लूट के लिए हुई या संपत्ति हड़पने की साजिश?
- हत्यारे परिचित थे या बाहरी/सुपारी किलर?
- घर में एंट्री कैसे हुई? क्या कोई अंदर से बंद था?

पुलिस का एक्शन

सूचना मिलते ही उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे। स्नस्रु टीम, डॉग स्क्वॉड और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। घटनास्थल से बरामद खोखों की फॉरेंसिक जांच चल रही है। आसपास के ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने रिश्तेदारों, किराएदारों और पड़ोसियों से पूछताछ शुरू कर दी है। शकुंतला बारीक ने बुधवार को आखिरी बार अपनी भाभी से फोन पर बात की थी। पति की आंख की समस्या का जिक्र किया, लेकिन किसी खतरे का कोई संकेत नहीं दिया। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी मामले की निगरानी कर रहे हैं। स्नस्रुरिपोर्ट, पोस्टमार्टम और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जल्द खुलासा होने की उम्मीद है।

ईएसआईसी अस्पताल को 300 बिस्तरों तक उन्नत करने की मांग

नप्र, भोपाल : पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया को पत्र लिखकर सोनागिरी स्थित कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) अस्पताल के उन्नयन और चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की मांग की है।

उन्होंने पत्र में बताया कि यह अस्पताल भोपाल, मंडीदीप, सतलापुर तथा आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों के लगभग 6.5 लाख बीमित श्रमिकों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराता है। वर्ष 2023 से अस्पताल का संचालन भारत सरकार के श्रम मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। राज्यमंत्री ने अस्पताल को 300 बिस्तरों तक विकसित करने, आधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने, विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं आवश्यक मानव संसाधन की नियुक्ति तथा सेकेंडरी और सुपर स्पेशलिटी चिकित्सा सेवाओं का विस्तार करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि इससे श्रमिकों और उनके परिवारों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

एमएसएमई को बाजार और पूंजी तक आसान पहुंच देने पर जोर

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर रवीन्द्र भवन में आयोजित राज्य स्तरीय समिट में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए बाजार विस्तार, वित्तीय सहायता और डिजिटल अवसरों पर विशेष सत्र आयोजित किए गए।

'समृद्ध एमएसएमई, विकसित मध्यप्रदेश' थीम पर आयोजित कार्यक्रम में उद्यमियों, निवेशकों, बैंकिंग संस्थाओं और उद्योग विशेषज्ञों ने एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा की। 'नए बाजार, नई उड़ान' विषयक सत्र में विशेषज्ञों ने सीमित बाजार पहुंच, निर्यात, डिजिटल कॉमर्स, अनुसंधान एवं विकास, लॉजिस्टिक्स और जोखिम प्रबंधन जैसे विषयों पर व्यावहारिक सुझाव दिए। वक्ताओं ने कहा कि पहली बार निर्यात करने वाले उद्यमियों के लिए सही दस्तावेजीकरण, बाजार चयन और वैश्विक व्यापार की जानकारी बेहद आवश्यक है। साथ ही डिजिटल प्लेटफॉर्म, निर्यात ऋण बीमा और मजबूत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का उपयोग कर छोटे उद्यम भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी पहचान बना सकते हैं।

दूसरे सत्र में एमएसएमई के लिए पूंजी तक आसान पहुंच और वित्त-पोषण के नए विकल्पों पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि सरकारी योजनाओं के बावजूद कई उद्यमियों को समय पर ऋण प्राप्त करने में दस्तावेजों की कमी, जमानत और सीमित क्रेडिट इतिहास जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में डिजिटल लेनदेन, मजबूत वित्तीय रिकॉर्ड और बेहतर साख प्रोफाइल विकसित करना आवश्यक है।

सत्र में यूपीआई आधारित लेनदेन, वैकल्पिक वित्त-पोषण, इनवॉइस डिस्काउंटिंग और ट्रेड्स (टीआरईडीएस) प्लेटफॉर्म की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला गया। विशेषज्ञों ने कहा कि इन माध्यमों से कार्यशील पूंजी की उपलब्धता बढ़ाई जा सकती है और छोटे उद्यमों को समय पर वित्तीय सहायता मिल सकती है।

कार्यक्रम में यह निष्कर्ष निकाला गया कि एमएसएमई क्षेत्र के सतत विकास के लिए डिजिटल तकनीक अपनाने, वित्तीय साक्षरता बढ़ाने, नवाचार को प्रोत्साहन देने और संस्थागत सहयोग को मजबूत करना जरूरी है।

आज राज्य स्तरीय आईसीजेएस कार्यशाला

नप्र, भोपाल : राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो (एससीआरबी), पुलिस मुख्यालय द्वारा रविवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आईसीजेएस (इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम) इम्प्लीमेंटेशन एंड डिजिटल इंटीग्रेशन विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। कार्यशाला का आयोजन पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन तथा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जयदीप प्रसाद के नेतृत्व में होगा। कार्यशाला में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति संजीव एस. कलगांवकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस, अभियोजन, न्यायालय, जेल, फॉरेंसिक और स्वास्थ्य विभाग के बीच डिजिटल समन्वय को मजबूत बनाना तथा आईसीजेएस के प्रभावी क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर विचार-विमर्श करना है। कार्यशाला में प्रदेश के विभिन्न जिलों से न्यायाधीश, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, अभियोजन, जेल, फॉरेंसिक और स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल हुआ मैहर बैंड

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मध्यप्रदेश की समृद्ध संगीत परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। भारत सरकार ने विश्वविख्यात मैहर वाद्यवृंद (मैहर बैंड) को राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) की सूची में शामिल कर लिया है।

इस उपलब्धि को प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे पहले मध्यप्रदेश की भगोरिया नृत्य और गोंड चित्रकला को भी इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिल चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस उपलब्धि को प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए कहा कि सरकार लोककला, संगीत और परंपराओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव शिव शेखर शुक्ला ने मैहर बैंड के कलाकारों और शासकीय संगीत महाविद्यालय, मैहर को बधाई देते हुए इसे प्रदेश की सांस्कृतिक यात्रा की बड़ी सफलता बताया।

मैहर बैंड की संगीत परंपरा को संरक्षित रखने के लिए शासकीय संगीत महाविद्यालय, मैहर में गुरुकुल की स्थापना की जा रही है। इसके माध्यम से नई पीढ़ी के कलाकारों को गुरु-शिष्य परंपरा के अनुरूप प्रशिक्षण देकर इस अनूठी संगीत विरासत को आगे बढ़ाया जाएगा। मैहर बैंड की स्थापना वर्ष 1918 में महान संगीताचार्य उस्ताद अलाउद्दीन खां ने मैहर रियासत में की थी। यह भारतीय शास्त्रीय संगीत का विश्व का पहला ऐसा वाद्यवृंद माना जाता है, जिसमें भारतीय और पाश्चात्य वाद्यों का अनूठा संगम देखने को मिलता है। इस बैंड की सबसे बड़ी विशेषता 'नलतरंग' नामक दुर्लभ वाद्य है, जिसका निर्माण स्वयं उस्ताद अलाउद्दीन खां ने बंदूक की नालियों से किया था। यह वाद्य आज भी दुनिया में केवल मैहर बैंड के पास ही उपलब्ध है।

वर्ष 1924 के भातखंडे संगीत समारोह से राष्ट्रीय पहचान प्राप्त करने वाला मैहर बैंड आज भी देश-विदेश में मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। वर्ष 2016 में इसे मध्यप्रदेश शासन के सर्वोच्च शिखर सम्मान से भी सम्मानित किया जा चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होने से मैहर बैंड की वैश्विक पहचान और मजबूत होगी तथा इसकी गौरवशाली परंपरा आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंच सकेगी।

मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग दिवस पर दीं शुभकामनाएं

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग दिवस पर प्रदेश के सभी उद्यमियों, स्टार्ट-अप क्रिएटर्स, कारीगरों एवं श्रमिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी के परिश्रम, नवाचार और उद्यमशीलता से मप्र औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन के नए आयाम स्थापित कर रहा है। आत्मनिर्भर भारत के साथ-साथ विकसित मप्र के निर्माण की भी मजबूत आधारशिला है।

CHANGE OF NAME

MY OLD NAME WAS DIVY PRATAP SINGH (WHICH IS ALSO MENTIONED IN MY OLD PASSPORT) S/O GYANENDRA PRATAP SINGH, R/O-9, JUDGE COLONY, MAHESH NAGAR, IDGAH HILLS, BHOPAL M.P. NOW I HAVE CHANGED MY NAME. MY NEW NAME IS NOW KNOWN AS DIVYA PRATAP SINGH

730

मुख्यमंत्री ने शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अद्वितीय साहस, दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्र की एकता व स्वाभिमान के प्रति महाराजा रणजीत सिंह के समर्पण ने भारतीय इतिहास में अमिट छाप छोड़ी। उनका प्रेरणादायी जीवन हमें भी राष्ट्रसेवा के पथ पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

भोपाल से बांग्लादेश-नेपाल तक मोबाइल लूट सिंडिकेट!

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी में मोबाइल लूट का एक संगठित नेटवर्क सामने आया है, जिसकी कड़ियां भोपाल से लेकर बांग्लादेश और नेपाल तक जुड़ी होने की आशंका है। अयोध्या नगर थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार चार आरोपियों से पूछताछ में कई अहम खुलासे हुए हैं। पुलिस अब कथित मास्टरमाइंड सबदर ईरानी और उसके साथी शाहरुख की तलाश में जुटी है।

पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे लूटे गए मोबाइल सबदर ईरानी को तीन से चार हजार रुपये प्रति मोबाइल के हिसाब से बेचते थे। आरोप है कि सबदर इन मोबाइलों को मुंबई के रास्ते बांग्लादेश और नेपाल भेजने का नेटवर्क संचालित करता था।

पुलिस के निशाने पर मास्टरमाइंड सबदर ईरानी

जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह के सदस्य भोपाल के बागसेवनिया, गोविंदपुरा, पिपलानी और अयोध्या नगर क्षेत्रों में सक्रिय थे। पुलिस का कहना है कि सबदर जरूरतमंद युवकों को अपने गिरोह में शामिल करता था ताकि उन पर आसानी से संदेह न हो। बताया जा रहा है कि दिसंबर में ईरानी डेरे पर पुलिस की कार्रवाई के बाद से सबदर फरार है। उसके खिलाफ 20 से अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस का मानना है कि उसकी गिरफ्तारी के बाद मोबाइल लूट और तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े कई बड़े खुलासे हो सकते हैं। हाल ही में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 22 लूटे गए मोबाइल फोन और चार मोटरसाइकिलें बरामद की थीं। मामले की जांच जारी है। पुलिस ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की पुष्टि आधिकारिक रूप से नहीं की है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की पुण्यतिथि पर स्मरण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्र सेवा के प्रति फील्ड मार्शल मानेकशॉ का समर्पण, अद्वितीय नेतृत्व एवं साहस देश के सशस्त्र बलों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। राष्ट्र की सुरक्षा, गौरव और अखंडता के लिए उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर

INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY KHARAGPUR

विज्ञापन संख्या: R/05/2026 **दिनांक 10 जून 2026**

संस्थान निम्नलिखित पदों के लिए भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है।

(i) **पेशेवर प्रशिक्षु (वित्त एवं लेखा)** - 10 पद

शैक्षिक योग्यता, आयु एवं अद्यतन जानकारी के लिए http://www.iitkgp.ac.in/non-teaching-positions पर जाएं।

cbc21255/11/0003/2627 **कुलसचिव/Registrar**

संचालनालय, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा

(जयप्रकाश चिकित्सालय परिसर, 1250 तुलसी नगर, भोपाल)

निविदा सूचना

कार्यालय संचालनालय, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग हेतु विभागीय कार्यों के संपादन के लिए 08 (आठ) किराये के वाहनों की उपलब्धता हेतु 02 वर्ष की अवधि (आवश्यकतानुसार अनुबंध अवधि बढ़ाई अथवा घटाई जा सकेगी) के लिए ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से सीलबंद ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। वाहनों की दरें 800 कि.मी. मासिक रनिंग के आधार पर प्रस्तुत की जानी होंगी। इसके अतिरिक्त पृथक रूप से दैनिक किराया तथा मुख्यालय से बाहर भ्रमण/दौरे हेतु किराया दरें भी निर्धारित प्रपत्र में अंकित की जानी होंगी। विभागीय आवश्यकता अनुसार वाहनों की संख्या में वृद्धि अथवा कमी की जा सकेगी।

क्र.	निविदा कार्यक्रम विवरण	दिनांक एवं समय
01.	निविदा प्रपत्र डाउनलोड प्रारंभ	26/06/2026 18:55 बजे
02.	निविदा प्रपत्र को विक्रय करने की प्रारंभिक तिथि	26/06/2026 18:55 बजे
03.	निविदा जमा करने की अवधि	05/07/2026 18:55 बजे
04.	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	15/07/2026 15:00 बजे
05.	तकनीकी निविदा (Technical Bid) खोलने की तिथि	17/07/2026 15:00 बजे

निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क राशि 6,490/- का ऑनलाइन भुगतान कर www.mptenders.gov.in के माध्यम से डाउनलोड किया जा सकेगा। निविदा में भाग लेने हेतु सभी अनिवार्य दस्तावेजों की स्वप्रमाणित प्रतिलिपियाँ तथा निविदा प्रतिभूति (EMD) राशि 90,000/-(नब्बे हजार रुपये मात्र) का ऑनलाइन भुगतान, ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने के पूर्व किया जाना अनिवार्य होगा। निविदा संबंधी विस्तृत शर्तें, पात्रता एवं अन्य जानकारी ई-टेंडर पोर्टल पर उपलब्ध निविदा दस्तावेज में देखी जा सकती हैं।

संयुक्त संचालक (परिवहन)

जी-14974/26 **संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें म.प्र.**

जाहिर सूचना

(मकान क्र. 71, खसरा नं. 265/2/1/1/1/1/1 ग्राम जगदीशपुर (इस्लामनगर के संबंध में)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने अनुबंधकर्ता इमरान पिता सलीम निवासी म.नं. 28, काजी अहाता, जहांगीराबाद, गली नं. 01, भोपाल म.प्र. द्वारा मूल संपत्ति स्वामी श्रीमती हिना कौसर पत्नी श्री मोहम्मद वसीम निवासी-म.नं. 72, सुन्दर नगर, करोंद, भोपाल म.प्र. के स्वत्व, स्वामित्व व आधिपत्य का एक किता एक मंजिला आर.सी.सी. छतदार मकान नं. 71, ग्राम जगदीशपुर (इस्लामनगर) पटवारी हल्का नं. 22, तहसील हुजूर, जिला भोपाल म.प्र. में स्थित है, जो भूमि खसरा क्रमांक 265/2/1/1/1/1/1 (पुराना खसरा नं. 259/2) का अंश भाग है, जिसकी चतुर्थ सीमाएं पूर्व में भूखण्ड क्र. 85, पश्चिम में कच्चा रास्ता, दिशा उत्तर में-भूखण्ड क्र. 70, दिशा दक्षिण में भूखण्ड क्र. 72 है जिसे मेरे पक्षकार नाशिद अली पिता नौशाद निवासी मस्जिद अबुबकर 21, जुम्मा खां का अहाता, हुजूर, शाहजहानाबाद, भोपाल म.प्र. द्वारा क्रय करने हेतु बयाना राशि अदा की गई है, यदि उक्त मकान को विक्रय करने में किसी भी व्यक्ति, संस्था आदि को कोई आपत्ति, बैंक, लोन, गिरवी, बंधक, दान, वसीयत, जमानत, हस्तांतरण, किसी व्यक्ति से अनुबंध से ग्रसित हो अथवा न्यायालय में प्रकरण लंबित हो तो अपनी आपत्ति असली दस्तावेज के साथ इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में संपूर्ण साक्ष्य के साथ उपस्थित होकर मय दस्तावेज के आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा समय अवधि व्यतीत होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य व स्वीकार नहीं होगी तथा मेरा पक्षकार उक्त मकान का पंजीयन कराने हेतु स्वतंत्र रहेगा। अतः सूचित हो।

ललित कुमार,एडवोकेट

ठाकुर लॉ चेम्बर 62, श्रीसंकट मोचन हनुमान मंदिर कॉम्पलेक्स, करोंद चौराहा, भोपाल म.प्र.

मो. 7974760907, 8461023005

729